प्रेस विज्ञप्ति
(सूचना एवं जन–सम्पर्क कार्यालय,कैमूर)

संख्या :– 243 **प्रधान सचिव ने अधिकारियों को पढ़ाई योजना एवं विकास की पाठ**

दिनांक :– 12.12.2012

कैमूर(भभुआ) 12 दिसंबर 2012 :– समाहरणालय सभा कक्ष मे सरकार के प्रधान सचिव योजना एवं विकास सह प्रभारी सचिव कैमूर विजय प्रकाश एक अधिकारी के साथ–साथ एक अध्यापक की भूमिका में भी नजर आये। उन्होनें उपस्थित पदाधिकारियों को सरकार की योजनाओं का ससमय सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए कई आवश्यक टिप्स दिये। उन्होनें कहा कि योजनाओं को खर्च आधारित न बनाकर पात्रता और आवश्यकता के आधार पर बनाए ताकि योजनाओं का लाभ सभी तक पहुंच सके। आई.ए.पी. योजना के समीक्षा के क्रम में उसमें तेजी लाने का निर्देश देते हुए कहा कि इस योजना अन्तर्गत बनने वाले पुस्तकालय भवन, यात्री शेड, सार्वजनिक शौचालय आदि के निर्माण के पूर्व संबंधित विभागों एवं पदाधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि इसके रख–रखाव एवं सफल संचालन की जिम्मेवारी किसकी होगी। उन्होनें जिले में चलाई जा रही मुख्यमंत्री क्षेत्र विस्तार योजना, नवाचार योजना, राष्ट्रीय सम विकास योजना, एम.पी लैड योजना, जन्म – मृत्यु प्रमाण पत्र, धान अधिप्राप्ति, मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना, जिले में बिजली की स्थिति आदि की भी गहन समीक्षा किया। मुख्यमंत्री क्षेत्र विस्तार योजना के क्रम में उन्होनें इन योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। वहीं नवाचार योजना की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी जय सिंह ने बताया कि इस योजना की राशि से जिले के तीन अस्पतालों में सर्जिकल व्यवस्था के लिए सर्जरी के सामानों की खरीद की जा रही है। वहीं प्रधान सचिव ने नवाचार योजना द्वारा जिले में जले ट्रांसफार्मरों की मरम्मति, पैक्सों के लिए नमी मापक मशीन, लिच्छवी भवन का आधुनिकीकरण, पोस्टपार्टम हाउस का आधुनिकीकरण, जिले में खराब पड़े नलकूपों की मरम्मति आदि करवाने का निर्देश दिया। उन्होनें योजनाओं में तेजी लाने एवं समय पर गुणवत्ता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। प्रधान सचिव ने धान अधिप्राप्ति की समीक्षा के क्रम में जिले में भंडारण के लिए अधिक से अधिक गोदामों को बनाए जाने का निर्देश दिया ताकि भंडारण में कोई असुविधा ना हो। वहीं कार्यपालक अभियंता विद्युत से जिले में उपलब्ध बिजली और उसके वितरण व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया। उन्होनें कहा कि बिजली व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है इसे गंभीरता से लें। कार्यपालक अभिंयता विद्यत द्वारा बताया गया कि जिले में कुल 1162 ट्रांसफार्मरों में 30 ट्रांसफार्मर जले हुए हैं। किसानों के लिए अलग से कृषि फीडर पर भी बैठक में चर्चा हुई। जन्म–मृत्यु की समीक्षा के क्रम में प्रधान सचिव ने बताया कि जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आंगनबाड़ी सेविकाओं को डिप्टी रजिस्ट्रार बनाया गया है। इन्हें एक जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने पर उन्हें प्रति प्रमाणपत्र 20 रूपय की राशि का भुगतान किया जायेगा। बैठक में जिलाधिकारी जय सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी नेशा मणि,अनुमंडल पदाधिकारी भभुआ/मोहनियां, उप विकास आयुक्त ब्रजनंदन प्रसाद,, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह प्रभारी अपर समाहर्ता विजय कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी महेन्द्र प्रताप सिंह, परियोजना निदेशक राजेश प्रताप सिंह, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान, समर बहादुर सिंह, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी सोमेश्वर प्रसाद, वरीय उप समाहर्ता अभय कुमार सिंह, वरीय उप समाहर्ता अरविंद कुमार, वरीय उप समहार्ता सुनिल दत्त झा, वरीय उप समाहर्ता रामाशंकर, जिला योजना पदाधिकारी अर्जुन सिंह, जिला कल्याण पदाधिकारी राकेश कुमार त्रिपाठी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला प्रबंधक एस.एफ.सी. सहित कई वरीय पदाधिकारी इस बैठक में मौजूद थे। बैठक के उपरांत प्रधान सचिव ने भगवानपुर प्रखंड के देवसरना में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अन्तर्गत लाभुकों को चेक वितरण किया वहीं इस गांव में पी.एच.डी. द्वारा बनाई जा रही मिनी जलापूर्ति योजना का निरिक्षण किया। उन्होनें पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि मिनी जलापूर्ति योजना के संचालन की व्यवस्था के लिए स्थानीय ग्रामीणों की एक कमिटी बनाई। क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्रधान सचिव के साथ जिलाधिकारी जय सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी भभुआ सहित कई पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।